MEDIA COVERAGE –

Tata Power enhances learning levels of 13460 students in 262 villages in Nirsa

Bihar Observer, Dhanbad

2 February 2012

टाटा पावर ने निरसा के 262 गांवों में शिक्षा का स्तर ऊंचा किया

इस पहल के छात्रों में 75 फीसदी सुधार आया

धनबादः टाटा पावर और दामोदर वैली कार्पोरेशन उपक्रम मैथॉन पावर लिमिटेड ने गैर-सरकारी संगठन प्रथम के सहयोग से धनबाद, झारखंड के निरसा खंड में बड़े पैमाने पर आक्रामक बच्चों के शैक्षिक स्तर पर सुधार लाने के मकसद से शुरू किया गया है। और महज दो सालों में निरसा का 262 गांवों में 13,460 स्कूलों में इसकी दस्तक सुनी जा चुकी है।

द ब्लॉक एक्लीलैंस प्रोग्राम को गांवों के मौजूदा शैक्षिक स्तर और प्रणाली के विस्तृत अध्ययन के आधार पर तैयार किया गया। प्रथम द्वारा कराए गए एक अध्ययन में मुताबिक निरसा खंडा में 40:50 बच्चे 5 से 14 साल की आयुवर्ग के है लेकिन उनका शिक्षा का स्तर स्वीकृत राष्ट्रीय मानको से काफी कम है। पहली से पांचवी कक्षा में पढ़ने वाले करीब साढ़े छह हजार बच्चों के शैक्षिक स्तरों के मूल्यांकन से यह तथ्य सामने आया कि सिर्फ साढ़े चार हजार बच्चे ही शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय मानको से कसौटी पर खरे उतरते हैं। इस विशाल अंतल के सामने आने के बाद टाटा पावर ने 2009-10 में क्षेत्र में 100 गांवों में द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम शुरू किया जिसके दायरे में लगभग 6800 छात्रों को लाया गया।

पहले चरण की कामयाबी को देखकर निरसा खंड के 262 गांवों में इस कार्यक्रम को पहुंचाया गया और कुल 13460 छात्रों को इसके दायरे में रखा गया। यह परियोजना 227 प्राथमिक/माध्यमिक स्कूलों और 73 सामुदायिक कक्षाओं के लिए लागू है।

द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम को मिली जबर्दस्त सफलता के मद्देनजर 13 जनवरी 2012 को एक दिवसीय कार्यशाला मंथन का आयोजन किया गया। इस कार्यशाल में क्षेत्र/खंड समन्वयकों ने हिस्सा लिया और शैक्षिक स्तल में सुधार लाने के मकसद से पिछले साल किए गए प्रयासों और उनसे मिली उपलब्धियों सामुदायिक स्तर पर बढ़ी सक्रियता, ईएफई के माध्यम से युवाओं के कौशाल विकास आदि पर चर्चा की गई।

मंथन का बुनियादी उद्देश्य इन उपलब्धियों, लर्निंग संबंधी चुनौतियों से बारे में इस प्रकार से चर्चा करना कि बेहतर नियोजन का बदौलत बेहतर भविष्य की राह प्रशस्त की जा रही है। मंथन में यह स्पष्ट रूप से दिखाया गया कि द ब्लॉक एक्लीलैंस प्रोग्राम ने छात्रों के शैक्षिक स्तर में सुधार लाने के लिए एक अनूठी और सकिया प्रक्रिया को अपनाया है। यनि व्यवहार रूप में सीखने की प्रक्रिया जिसके लिए पाठय-पुस्तकों से अलग किस्म की गतिविधियों की मदद ली गई और शिक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने तथा ज्ञान के प्रसार में तेजी आयी। उदाहरण के लिए, जोड़-घटा व सिखाने के लिए छड़ियों आदि की मदद ली गई। इसी तरह, प्री-स्कूली बच्चों को रंगा-बिरंगी गेंदों से गणित का आधारभूत ज्ञान दिया गया जिससे वे संख्याओं तथा रंगों की पहचान के काबिल बन सके। इस पाठ्यक्रम में अंग्रेजी गानों को भी शमिल किया गया था। ताकि छात्र सुविधाजनक तरीके से अंग्रेजी भाषा बोल सकें। टाटा पावर-प्रथम के द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम के जरिए किए गए प्रयासों की बदौलत बच्चों के लर्निंग स्तर में 70:75 सुधार हुआ है। और समुदाय तथा अभिभावको की उनकी शिक्षा व्यवस्था में भी सक्रियता बढ़ी है। कुल-मिलाकर इसकी बदौलत निरसा ब्लॉक के शैक्षिक परिदृष्य में व्यापक रूप से सुधार हुआ है।

इस पहल के बारे में प्रवीन सिन्हा, ईवीपी एवं पीडी ईस्टर्न रीजन प्रोजेक्ट्स, टाटा पावर ने कहा, हम इस परियोजना को मिली सफलता को देखकर बेहद खुशी हैं। हमारे लक्षित छात्र समुदाय के शैक्षित स्तर में 70 से 75 फीसदी सुधार की बदौलत करीब 800 ग्रामीण युवा लाभान्वित हुए हैं। टाटा पावर में हम आगे भी अपने परिचालन के आसपास के इलाकों में गुजर-बसर करने वाले स्थानीय समुदायों की जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

इस पहल के विस्तार के चरण में टाटा पावर-प्रथम ने करीब 100 ग्रामीण युवाओं को बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण दिलाने के लिए इंटेल द्वारा प्रमाणित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी शुरू किया। इस पहल की एक बड़ी कामयाबी इस रूप में झलकती है कि यहां बोलचाल की अंग्रेजी भाषा के कार्यक्रम को शुरू करने की मांग सामने आयी है जिसके चलते युवाओं के लिए अब कंप्यूटर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ बोलचाल की अंग्रेजी सिखाने वाली 10 कक्षाओं का भी संचालन किया जा रहा है। इसी तरह, प्रथम के सभी टीम सदस्यों ने जिनमें स्थानीय लोग शमिल है। इस प्रथम कम्युनिटी कॉलेज द्वारा मान्यता प्राप्त डिप्लोमा इन कम्युनिटी लीडरशिप प्रोग्राम के लिए नामांकन कराया है।

पीबी क्षेत्रीय कार्यालय

Dainik Bhaskar, Dhanbad

1st February 2012

टाटा पावर ने गांवों में सुधारा शिक्षा का स्तर

धनबाद| टाटा पावर और दामोदर वैली कारपोरेशन के संयुक्त उपक्रम मैथन पावर लिमिटेड द्वारा शुरू किए गए ' द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम ' का निरसा के 262 गांवों में सकारात्मक असर पड़ा है। दो साल के दौरान 262 गांवों के 13, 460 स्कूलों में इसकी दस्तक पहुंच चुकी है। 5 से 14 वर्ष के बच्चों की शैक्षिक स्तर को सुधारने के लिए यह कार्यक्रम शुरू किया गया है। गैर सरकारी संगठन प्रथम के सहयोग से चलाए जा रहे इस कार्यक्रम में अब तक 13 हजार से अधिक बच्चों को शामिल किया जा चुका है। पहले चरण में प्रखंड के एक सौ गांवों में इसे शुरू किया गया था। प्रथम चरण में मिली सफलता को देखते हुए दूसरे चरण में 268 गांवों में इसे शुरू किया गया। कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए पिछले सप्ताह एक कार्यशाला आयोजित की गई। मंथन नाम की इस कार्यशाला का उद्देश्य उपलब्धियों और आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करना था। कंपनी के पीडी प्रवीर सिन्हा ने बताया कि यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा।

Hindustan times, Dhanbad

30 January 2012

Helping hand for drop-outs and child labour

HT Correspondent
jam.live@hindustantimes.com

DHANBAD: Now, a Dhanbad-based corporate house and an NGO have taken up the challenge of educating dropout kids, eliminate child labour and improve the standards of primary school students in Coal Belt areas.

In this regard, Tata Power and DVC, in association with an NGO, Pratham, have launched a Block Excellence Programme in Nirsa block of the district to improve the learning levels of kids between ages five to 14 years. In the first phase, altogether 13,462 children from 262 villages in Nirsa block that border West Bengal have been covered as part of the project.

"The aim of the programme is to improving the learning standards of current school students, drop-outs and reduction in child labour in the region," said Praveer Sinha, executive vice-president of Tata Power, who is monitoring this programme on a priority basis.

The official said the programme was launched after the reports of surveys conducted by Pratham revealed that the educational standards of school-going children (between the ages of one to five) in villages of Nirsa block, around 55 km away from the district headquarters, was far below the national standard.

A test to determine the learning level was conducted on 6,500 kids studying in classes from 1 to 5 in which only 4,500 met the national standard. Following the experiment, the corporate houses and the NGO launched the 'Block Excellence Programme' in 100 villages of Nirsa covering around 6,800 kids. The results were positive.

"The success encouraged us to expand the programme and conduct it on a large scale. So in our efforts to improve the quality of education among village kids, bring back drop-outs to mainstream education and wipe out child labour we have selected 13,462 kids (613 boys and 6,847 girls) from 262 villages," Sinha said. For achieving the goal over 800 village youths have been assigned the target. The project is under implementation across 227 primary/middle schools and 73 community classes are being held for children engaged in child labour and also drop-out cases.

"I had lost all hope of my son being able to read and write as even the mid-day meal in school could not attract him for long. But now it seems as though the village youths who are conducting the Block Excellence Programme will make him a man," said Debu Mahto of Madandih village in Nirsa block.

Aawaz, Dhanbad

31 January 2012

टाटा पावर ने की 'द ब्लाक एक्सीलेंस प्रोग्राम' की शुरुआत

धनबाद, ३० जनवरी (का.सं.)। टाटापावर और दामोदर वैली कार्पोरेशन के संयुक्त उपक्रम मैथन पावर लिमिटेड ने गैर-सरकारी संगठन 'प्रथम' के सहयोग से धनबाद, के निरसा खंड में बड़े पैमाने पर आक्रामक शैक्षिक पहल- 'द ब्लॉक एक्सीलेंस प्रोग्राम शुरु किया है। यह कार्यक्रम क्षेत्र में ५ से १४ साल की आयुवर्ग बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार लाने के मकसद से शुरु किया गया है और महज दो सालों में निरसा के २६२ गांवों के १३,४६० स्कूलों में इसकी दस्तक सुनी जा चुकी है।'द ब्लॉक एक्सीलेंस प्रोग्राम' को गांवों के मौजूदा शैक्षिक स्तर और प्रणाली के विस्तृत अध्ययन के आधार पर तैयार किया गया। 'प्रथम' द्वारा कराए गए एक अध्ययन के मुताबिक निरसा खंड में ४०.५० बजे ५ से १४ साल की आयुवर्ग के हैं, लेकिन उनका शिक्षा का स्तर स्वीकृत राष्ट्रीय मानकों से काफी कम है। पहली से पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले करीब साढ़े छह हजार बच्चों के शैक्षिक स्तरों के मूल्यांकन से यह तथ्य सामने आया कि सिर्फ साढ़े चार हजार बच्चे ही शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय मानकों की कसौटी पर खरे उतरते हैं। इस विशाल अंतर के सामने आने के बाद टाटा पावर ने २००९-१० में क्षेत्र के १०० गांवों में 'द ब्लॉक एक्सीलेंस प्रोग्राम' शुरु किया जिसके दायरे में लगभग ६८०० छात्रों को लाया गया। पहले चरण की कामयाबी को देखकर निरसा खंड के २६२ गांवों में इस कार्यक्रम को पहुंचाया गया और कुल १३४६० छात्रों (६६१३ लड़कों तथा ६८४७ लड़कों) को इसके दायरे में रखा गया। यह परियोजना २२७ प्राथमिक-माध्यमिक स्कूलों और ७३ सामुदायिक कक्षाओं (बाल श्रमिकों तथा पढ़ाई अधूरी छोड़ चुके बच्चों के लिए) के लिए लागू है। 'द ब्लॉक एक्सीलेंस प्रोग्राम' को मिली जबर्दस्त सफलता के मद्देनजर एक दिवसीय कार्यशाला मंथन का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्षेत्रखंड समन्वयकों ने हिस्सा लिया और शैक्षिक स्तर में सुधार लाने के मकसद से पिछले साल किए गए प्रयासों और उनसे मिली उपलब्धियों, सामुदायिक स्तर पर बढ़ी सक्रियता, ईएफई (एजुकेशन फॉर एजुकेशन) के माध्यम से युवाओं के कौशल विकास आदि पर चर्चा की गई। मंथन का बुनियादी उद्देश्य इन उपलब्धियों, लर्निंग संबंधी चुनौतियों के बारे में इस प्रकार से चर्चा करना कि बेहतर नियोजन की बदौलत बेहतर भविष्य की राह प्रशस्त की जा सके। प्रत्येक खंड समन्वयक ने अपने-अपने क्षेत्र की उपलब्धियों के बारे में व्यापक रुप से प्रस्तुति दी और साथ ही यह विश्लेषण भी किया कि एक गांव विशेष ने दूसरे की तुलना में बेहतर नतीजे किस कारण दिखाए हैं, और यह भी कि कुछ अन्य गांवों में और अधिक प्रयासों की आवश्यकता क्यों है। मंथन में यह स्पष्ट रुप से दिखाया गया कि 'द ब्लॉक एक्सीलेंस प्राग्राम'ने छात्रों के शैक्षिक (शेष पृष्ठ 4 पर)

Aaj, Dhanbad

28 January 2012

टाटा पावर ने निरसा के 262 गांवों में शिक्षा को बढ़ावा दिया

धनबाद। टाटा पावर और दामोदर वैली कार्पोरेशन के संयुक्त उपकम मैथॉन पावर लिमिटेड ने गैर-सरकारी संगठन 'प्रथम' के सहयोग से धनबाद, झारखंड के निरसा खंड में बड़े पैमाने पर आक्रामक शैक्षिक पहल -- 'द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम' शुरू किया है। यह कार्यक्रम क्षेत्र में 5 से 14 साल की आयुवर्ग बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार लाने के मकसद से शुरू किया गया है और महज दो सालों में निरसा के 262 गांवों के 13,460 स्कूलों में इसकी दस्तक सुनी जा चुकी है। 'द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रा. ग्राम' को गांवों के मौजूदा शैक्षिक स्तर और प्रणाली के विस्तृत अध्ययन के आधार पर तैयार किया गया। प्रथम द्वारा कराए गए एक अध्ययन के मुताबिक निरसा खंड में 40:50: बच्चे 5 से 14 साल की आयुवर्ग के हैं; लेकिन उनका शिक्षा का स्तर स्वीकृत राष्ट्रीय मानकों से काफी कम है। पहली से पांचवी कक्षा में पढ़ने वाले करीब साढ़े छह हजार बच्चों के शैक्षिक स्तरों के मूल्यांकन से यह तथ्य सामने आया कि सिर्फ साढ़े चार हजार बच्चे ही शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय मानकों की कसौटी पर खरे उतरते हैं। इस विशाल अंतर के सामने आने के बाद टाटा पावर ने 2009--10 में क्षेत्र के 100 गांवों में 'द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम' शुरू किया जिसके दायरे में लगभग 6800 छात्रों को लाया गया।

पहले चरण की कामयाबी को देखकर निरसा खंड के 262 गांवों में इस कार्यक्रम को पहुंचाया गया और कुल 13460 छात्रों (6613 लड़कों तथा 6847 लड़कों) को इसके दायरे में रखा गया।

New Ispat Mail, Dhanbad

28 January 2012

टाटा पावर ने निरसा के 262 गांवो मे शिक्षा का स्तर ऊंचा किया

बड़े पैमाने पर आक्रामक शैक्षिक पहल 'द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम'

धनबाद : टाटा पावर और दामोदर वैली कार्पोरेशन के संयुक्त उपक्रम मैथन पावर लिमिटेड ने गैर-सरकारी संगठन 'प्रथम' के सहयोग से धनबाद, झारखंड के निरसा खंड में बड़े पैमाने पर आक्रामक शैक्षिक पहल 'द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम' शुरू किया है.यह कार्यक्रम क्षेत्र में 5 से 14 साल की आयु वर्ग बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार लाने के मकसद से शुरू किया गया है और महज दो सालों में निरसा के 262 गांवों के 13,460 स्कूलों में इसकी दस्तक सुनी जा चुकी है. 'द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम' को गांवों के मौजूदा शैक्षिक स्तर और प्रणाली के विस्तृत अध्ययन के आधार पर तैयार किया गया.प्रथम द्वारा कराए गए एक अध्ययन के मुताबिक निरसा खंड में 40:50 बच्चे 5 से 14 साल की आयुवर्ग के हैं,लेकिन उनका शिक्षा का स्तर स्वीकृत राष्ट्रीय मानकों से काफी कम है.पहली से पांचवी कक्षा में पढ़ने वाले करीब साढ़े छह हजार बच्चों के शैक्षिक स्तरों के मूल्यांकन से यह तथ्य सामने आया कि सिर्फ साढ़े चार हजार बच्चे ही शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय मानकों की कसौटी पर खरे उतरते हैं.इस विशाल अंतर के सामने आने के बाद टाटा पावर ने 2009-10 में क्षेत्र के 100 गांवों में 'द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम' शुरू किया. जिसके दायरे में लगभग 6800 छात्रों को लाया गया. 'द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम' को मिली जबर्दस्त सफलता के मद्देनजर 13 जनवरी 2012 को एक दिवसीय कार्यशाला मंथन का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला में क्षेत्र के समन्वयकों ने हिस्सा लिया और शैक्षिक स्तर में सुधार लाने के मकसद से पिछले साल किए गए प्रयासों और उनसे मिली उपलब्धियों, सामुदायिक स्तर पर बढ़ी सक्रियता,ईएफई (एजुकेशन फॉर एजुकेशन) के माध्यम से युवाओं के कौशल विकास आदि पर चर्चा की गई.

मंथन का बुनियादी उद्देश्य इन उपलब्धियों, लर्निंग संबंधी चुनौतियों के बारे में इस प्रकार से चर्चा करना कि बेहतर नियोजन की बदौलत बेहतर भविष्य की राह प्रशस्त की

Ranchi Express, Dhanbad

28 January 2012

टाटा पावर ने निरसा के 262 गांवों में शिक्षा का स्तर ऊंचा किया

रांची, 27 जनवरी (वा.स.) : टाटा पावर और दामोदर वैली कारपोरेशन के संयुक्त उपक्रम मैथान पावर लिमिटेड ने गैर-सरकारी संगठन प्रथम के सहयोग से धनबाद के निरसा खंड में बड़े पैमाने पर शैक्षिक पहल द ब्लाक एक्सीलेंस प्रोग्राम शुरू किया है।

यह कार्यक्रम क्षेत्र में 5 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार लाने के लिए शुरू किया गया है। मात्र दो वर्ष में निरसा के 262 गांवों के 13460 स्कूलों में इसकी उपस्थिति दर्ज हो चुकी है। इस प्रोग्राम को गांवों के मौजूदा शैक्षिक स्तर और प्रणाली के विस्तृत अध्ययन के आधार पर तैयार किया गया है। प्रोग्राम को मिली कामयाबी के आलोक में 13 जनवरी, 2012 को एक दिनी कार्यशाला मंथन का आयोजन किया गया।

Quami Tanzim, Dhanbad

28 January 2012

ٹاٹا پاور نے نرسا کے 262 گاؤں میں تعلیمی معیار کو بلند کیا

دھنباد، 27 جنوری (ت ن س) ٹاٹا پاور و دامودر ویلی کارپوریشن کی مشترکہ پلانٹ میتھن پاور لمیٹیڈ نے غیر سرکاری تنظیم 'پرتھم' کے اشتراک سے دھنباد ونرسا بلاک میں بڑے پیمانے پر تعلیمی پہل دی بلاک ایسیلنس پروگرام شروع کیا ہے۔ یہ پروگرام ان علاقوں کے پانچ سے چودہ سال کی عمر کے بچوں کی تعلیم سطح میں سدھار لانے کے مقصد سے شروع کیا گیا ہے اور محض دو سالوں میں نرسا کے 262 گاؤں کے 13,460 اسکولوں میں اس کی دستک سنی جاسکتی ہے۔ دی بلاک ایسلنس پروگرام کو گاؤں کی موجودہ تعلیمی سطح اور سسٹم کے مطالعہ کی بنیاد پر تیار کیا گیا ہے۔ پرتھم کے ذریعہ کرائے گئے سروے کے مطابق برسا بلاک میں 40 تا 50 بچے پانچ تا چودہ سال کی عمر کے ہیں۔ لیکن ان کی تعلیمی سطح منظور شدہ قومی پیمانے سے کافی کم ہے۔ جبکہ پہلے سے پانچویں کلاسمیں پڑھنے والے تقریباً ساڑھے چھ ہزار بچوں کے تعلیمی سطح کی جانچ سے یہ حقیقت واضح ہوا ہے کہ صرف ساڑھے چار ہزار بچے ہی تعلیم کے قومی پیمانے کی کسوٹی پر کھرے اترتے ہیں۔ اس پہل کے بارے میں ایسٹرن ریجن پروجیکٹ ٹاٹا پاور کے ہیڈ پرویر سنہا نے کہا کہ اس پروجیکٹ سے ملنے والی کامیابی سے وہ حد درجہ خوش ہیں۔

Sanmarg, Dhanbad

28 January 2012

टाटा पावर ने शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ाए कदम

धनबाद के निरसा में 262 गांवों को किया शिक्षित

वरीय संवाददाता

रांची/धनबाद : टाटा पावर और डीवीसी का संयुक्त उपक्रम मैथन पावर ने द ब्लॉक एक्सीलैंस प्रोग्राम शुरू किया है। एनजीओ प्रथम के सहयोग से चलाए जा रहे कार्यक्रम के तहत धनबाद के निरसा प्रखंड के 262 गावों में लोगों को शिक्षित करने का काम किया है। पांच से 14 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए 262 से अधिक गावों के 13460 छात्रों के बीच शिक्षा का अलख जगाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत निरसा प्रखंड के गांवों में 75 फीसदी शिक्षा में सुधार आया है। इससे बालश्रम पर भी रोक लगी है। यह परियोजना 227 माध्यमिक स्कूलों और 73 सामुदायिक कक्षाओं के लिए लागू है। 13 जनवरी को इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए कार्यशाला आयोजित की गयी। कंपनी के ईवीपी प्रवीर सिन्हा ने कहा कि परियोजना का लाभ लोगों को मिल रहा है। टाटा पावर ने करीब 100 युवाओं को बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण दिलाने के लिए इंटेल द्वारा सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया है। इसके अलावा अंग्रेजी शिक्षा भी दी जा रही है। इग्नू प्रथम कम्यूनिटी कॉलेज द्वारा मान्यता प्राप्त डिप्लोमा इन कम्यूनिटी लीडरशिप प्रोग्राम के लिए नामांकन कराया गया है।